Indian Streams Research Journal
Vol -1 , ISSUE –1, Feb - 2011
ISSN:- 2230-7850
Available online at www.isrj.org

छत्तीसगढ़ राज्य की औद्योगिक स्थिति में सी.एस.आई.डी.सी. का योगदान

श्रीमती विजयश्री यादव

व्याख्याता पंचायत, शास.उ.मा.विद्यालय, घुटकू जिला बिलासपुर (छ.ग.)

प्रस्तावना –

छत्तीसगढ़ ''धान का कटोरा'' नाम से विष्वविख्यात क्षेत्र न केवल धान की अधिकाधिक उत्पादकता से प्रसिद्ध है, बल्कि वन संपदा, खनिज सम्पदा के अकूल भंडार हेतु भी एक सम्पन्न राज्य है। राज्य के प्रायः सभी मार्गों, उपमार्गों के दोनों ओर वनाच्छिद क्षेत्र तथा लहलहाती कृषि के दृष्य दृष्टिगोचर होते हैं एवं उद्योग की चिमनियों से निकलता धुंआ भी राज्य की औद्योगिक सम्पन्नता का प्रमाण देता है। आज के आधुनिक युग में किसी भी राज्य की सम्पन्नता उसके सुदृढ़ औद्योगीकरण पर आधारित हैं। राज्य का सुदृढ़ औद्योगीकरण उसके औद्योगिक विकास पर निर्भर है और औद्योगिक विकास की एक महत्वपूर्ण कड़ी राज्य की औद्योगिक स्थिति है। इसलिये राज्य की औद्योगिक स्थिति का सुदृढ़ होना आवष्यक है। छत्तीसगढ़ राज्य में औद्योगिक स्थिति को बढ़ावा देने वाली संस्था छत्तीसगढ़ राज्य औद्योगिक विकास निगम (सी.एस.आई.डी.सी.) लिमिटेड रायपुर है। इस निगम का छत्तीसगढ़ राज्य की औद्योगिक स्थिति में महत्वपूर्ण योगदान है।

उद्देश्य –

छत्तीसगढ़ राज्य में उद्योगों की अहम भूमिका है। यहां उद्योगों के लिये प्राकृतिक एवं अन्य संसाधन का बाहुल्य है इसी दृष्टि से उनका सही रूप से विदोहन करने के लिए सी.एस.आई.डी.सी. का प्रमुख उद्देष्य इस क्षेत्र मे नयी–नयी औद्योगिक इकाईयों को लगाने के लिये उन्हें आकर्षित करना एवं प्रोत्साहन देना है। साथ ही यह ज्ञात करना है कि राज्य की औद्योगिक स्थिति में निगम का कितना योगदान है।

अध्ययन क्षेत्र –

इस अध्ययन का क्षेत्र छत्तीसगढ़ राज्य औद्योगिक विकास निगम मर्यादित रायपुर (सी.एस.आई.डी.सी.) के कार्यक्षेत्र तक ही सीमित है। इसके अन्तर्गत निगम के प्रधान कार्यालय एवं उसकी शाखाओं के अधीन छत्तीसगढ़ राज्य के विभिन्न जिलों में संचालित औद्योगिक विकास केन्द्रों एवं औद्योगिक क्षेत्रों में स्थापित औद्योगिक इकाइयों का अध्ययन सम्मिलित है।

शोध प्रविधि –

इस अध्ययन में निगम उपविधियाँ, निगम के द्वारा विभिन्न प्रकाषित प्रतिवेदन, उद्योग पत्रिकाएं, सांख्यकीय अभिलेखों एवं विभिन्न कार्यालयों से प्राप्त जानकारी के आधार पर शोध से सम्बंधित आंकड़ों का संकलन प्राथमिक एवं द्वितीयक समंकों के रूप में किया गया हैं। साथ ही प्रष्नावली का उपयोग भी किया गया है। आंकड़ों का वर्गीकरण, सारणीयन व विष्लेषण कर अध्ययन किया गया है।

छत्तीसगढ़ राज्य की औद्योगिक स्थिति –

नवोदित छत्तीसगढ़ राज्य औद्योगिक स्थिति को सुदृढ़ करने की दृष्टि से निरन्तर प्रयासरत है। वर्ष 2000–01 से 2008–09 तक नवगठित राज्य में 118 वृहद तथा मध्यम उद्योग स्थापित हुये हैं जिनमें 1711.23 करोड़ रूपये पूंजी निवेश किया है तथा 10287 व्यक्तियों को रोजगार उपलब्ध हुआ है। इसी प्रकार वर्ष 2000–01 से 2008–09 तक राज्य में कुल 12125 लघु उद्योग इकाईयां स्थापित हुई हैं जिनमें 511.70 करोड़ रूपये पूंजी निवेशित है तथा 52937 व्यक्तियों को रोजगार प्राप्त हुआ है। वृहद एवं मध्यम उद्योग इकाईयों तथा लघु उद्योग इकाईयों का विवरण निम्न सारणी क्र. 1, 2 में प्रदर्शित है :–

Indian Streams Research Journal
Vol -1 , ISSUE –1, Feb - 2011
ISSN:- 2230-7850 Available online at www.isrj.org

सारणी क्र. 1
वृहद तथा मध्यम उद्योग इकाईयों का विवरण

अवधि	कुल इकाईयों की संख्या	पूंजी निवेश (करोड़ रूपयों में)	श्रोजगार (संख्या)
2000–2001	04	29.33	160
2001–2002	12	165.37	12.74
2002–2003	08	239.13	2121
2003–2004	15	167.03	1868
2004–2005	30	215.83	3718
2005–2006	38	630.30	2866
2006–2007	09	247.00	1041
2007–2008	01	6.87	50
2008–2009	01	10.37	60
योग	118	1711.23	10287
गठन पूर्व	46	73305.56	87533
कुल योग	164	75016.79	87820

सारणी क्र. 2
लघु उद्योग इकाईयों का विवरण

अवधि	कुल इकाईयों की संख्या	पूंजी निवेश (करोड़ रूपयों में)	रोजगार (संख्या)
2000–2001	1991	24.31	4925
2001–2002	2122	22.93	5161
2002–2003	2375	16.36	5803
2003–2004	2034	137.02	6760
2004–2005	1400	47.73	6055
2005–2006	813	102.48	6611
2006–2007	557	126.98	7536
2007–2008	485	115.78	5704
2008–2009	348	122.31	4382
कुल	12125	511.70	52937

सी.एस.आई.डी.सी. की औद्योगिक स्थिति –

सी.एस.आई.डी.सी. लिमिटेड रायपुर द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य की औद्योगिक स्थिति की दृष्टि से 31 मार्च 2009 तक अपने औद्योगिक विकास केन्द्रों/औद्योगिक क्षेत्रों के अन्तर्गत स्थापित/कार्यरत लघु, वृहद/मध्यम उद्योगों की स्थापना का विवरण निम्न सारिणी क्रमांक 3 व 4 में प्रदर्शित किया गया है :–

सारिणी क्र. 3
सी.एस.आई.डी.सी. के औद्योगिक विकास केन्द्रों/औद्योगिक क्षेत्रों में लघु उद्योगों की स्थापना
(31 मार्च 2009 तक)

क्र. औद्योगिक विकास केन्द्र औद्योगिक क्षेत्र	स्थापित/कार्यरत लघु उद्योगों का विवरण			
	संख्या	भूमि आबंटन (हेक्टर में)	पूंजी विनियोग (करोड़ रू. में)	श्रोजगार
औद्योगिक विकास केन्द्र				
1. सिरगिट्टी	236	143.59	47.36	2613
2. उरला	381	181.707	90.94	11528
3. सिलतरा	67	28.408	32.16	558
4. बोरई	50	30.221	13.31	1748
औद्योगिक क्षेत्र				1940
5. तिफरा		30.98	9.73	2613
6. भनपुरी व अन्य	129	183.95	47.36	–
7. सिलपहरी	276	–	–	112
8. अंजनी	–	9.54	1.50	85
9. नयनपुर	07	11.10	–	–
10. बिरकोनी	03	–	5.00	–
11. हरिनछपरा	–	–	–	
	–			
योग	1149	619.510	240.36	22095

सारिणी क्र. 4
सी.एस.आई.डी.सी. के औद्योगिक विकास केन्द्रों/औद्योगिक क्षेत्रों में वृहद/मध्यम उद्योगों की स्थापना
(31 मार्च 2009 तक)

क्र. औद्योगिक विकास केन्द्र औद्योगिक क्षेत्र	स्थापित/कार्यरत वृहद/मध्यम उद्योगों का विवरण			
	संख्या	भूमि आबंटन (हेक्टर में)	पूंजी विनियोग (करोड़ रू. में)	श्रोजगार
औद्योगिक विकास केन्द्र				
1. सिरगिट्टी	08	56.781	410.32	1010
2. उरला	33	88.293	567.41	4467
3. सिलतरा	13	842.000	2018.1	4730
4. बोरई	07	88.547	318.60	775
औद्योगिक क्षेत्र				
5. तिफरा		–	3.35	78
6. भनपुरी व अन्य	01	46.35	150.37	2502
7. सिलपहरी	11	109.34	195.81	750
8. बिरकोनी	08	23.04	5.00	100
	01			
योग	82	1254.351	3669.24	14412

उपरोक्त सारिणी क्रमांक 3 व 4 से स्पष्ट है कि सी.एस.आई.डी.सी के औद्योगिक विकास केन्दों/औद्योगिक क्षेत्रों में 31 मार्च 2009 तक कुल 82 वृहद/मध्यम उद्योग एवं 1149 लघु उद्योग, कुल 1231 उद्योग कार्यरत हैं। इन उद्योगों को निगम द्वारा क्रमषः 619.510 हेक्टर व 1254.351 हेक्टर, कुल 1873.861 हेक्टर भूमि आबंटित की गई है। जिनमे क्रमशः 240.36 करोड़ रूपये व 3669.24 करोड़ रूपये, कुल 3909.60 करोड़ रूपये पूंजी निवेष किया गया है तथा क्रमषः 22095 व्यक्तियों एवं 14412 व्यक्तियों, कुल 36507 व्यक्तियो को रोजगार उपलब्ध हो रहा है।

20.राज्य की औद्योगिक स्थिति में सी.एस.आई.डी.सी.का योगदान

छत्तीसगढ़ राज्य औद्योगिक विकास निगम (सी.एस.आई.डी.सी.) के कार्यक्षेत्र बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग महासमुन्द, सरगुजा एवं कबीरधाम जिले में स्थापित औद्योगिक विकास केन्द्र सिरगिट्टी उरला, सिलतरा व बोरई तथा औद्योगिक क्षेत्र तिफरा, भनपुरी व अन्य, सिलपहरी, अंजनी, नयनपुर, बिरकोनी व हरिनछपरा में स्थापित किये गये लघु, वृहद/मध्यम उद्योगों को ध्यान में रखकर यह अध्ययन किया गया है। जिसमें छत्तीसगढ़ राज्य की औद्योगिक स्थिति में निगम के योगदान का आकलन स्थापित/कार्यरत, लघु, वृहद/मध्यम उद्योगों के आधार पर निम्न सारिणी क्रमांक 5 व 6 मे प्रदर्षित किया गया है।

_सारिणी क्रमांक 5_
छत्तीसगढ़ राज्य की औद्योगिक स्थिति (लघु उद्योगों की स्थापना) में निगम का योगदान
_(31 मार्च 2009 तक)_

लघु उद्योग विवरण	छ.ग. राज्य की औद्योगिक स्थिति लघु उद्योग	निगम की औद्योगिक स्थिति लघु उद्योग	निगम का योगदान प्रतिशत
लघु उद्योग संख्या	12125	1149	9.48%
पूंजी विनियोग (करोड़ रू.)	511.70	240.36	46.97%
रोजगार	52937	22095	41.74%

उपर्युक्त सारिणी क्रमांक 5 से स्पष्ट है कि छत्तीसगढ़ राज्य में कुल 12125 लघु उद्योग स्थापित हुये हैं। इन लघु उद्योगों में 511.70 करोड़ रूपये पूंजी विनियोग किया गया है तथा 52937 व्यक्तियों को रोजगार उपलब्ध हुआ है। राज्य के कुल 12125 स्थापित लघु उद्योगों में 1149 लघु उद्योग निगम द्वारा स्थापित किये गये हैं जिनमें 240.36 करोड़ रूपये पूंजी विनियोजित की गई है तथा 22095 व्यक्तियों को रोजगार प्राप्त हुआ है। अतः निगम का लघु उद्योगों की स्थापना में 9.48%, पूंजी विनियोग में 46.97% एवं रोजगार में 41.74% योगदान रहा है। इस योगदान का औसत 32.73% है।

_सारिणी क्रमांक 6_
_छ.ग. राज्य कि औद्योगिक स्थिति (वृहद/मध्यम उद्योगों की स्थापना) में निगम का योगदान_
_(31 मार्च 2009 तक)_

वृहद/मध्यम उद्योग विवरण	छ.ग. राज्य की औद्योगिक स्थिति वृहद/मध्यम उद्योग	निगम की औद्योगिक स्थिति वृहद/मध्यम उद्योग	निगम का योगदान प्रतिशत
वृहद/मध्यम उद्योग संस्था	164	82	50%
पूंजी विनियोग (करोड़ रू.)	75016.79	3669.24	4.89%
रोजगार	97820	14412	14.73%

उपर्युक्त सारणी क्र. 5 व 6 से ज्ञात होता है कि छत्तीसगढ़ राज्य में कुल 164 वृहद/मध्यम उद्योग स्थापित/कार्यरत हैं, जिनमें 75016.79 करोड़ रूपये पूंजी वेष्ठित की गई है तथा 97820 व्यक्तियों को रोजगार प्राप्त हुआ है। छ.ग. राज्य के कुल 164 वृहद/मध्यम उद्योगों में 82 वृहद/मध्यम उद्योग सी.एस.आई.डी.सी. द्वारा स्थापित/कार्यरत किये गये हैं जिनमें 3669.24 करोड़ रूपये की पूंजी निवेशित की गई हैं तथा 14412 व्यक्तियों को रोजगार उपलब्ध हुआ है। अतः सी.एस.आई.डी.सी. वृहद/मध्यम उद्योगों की स्थापना में 50%, पूंजी विनियोग में 4.89% एवं रोजगार में 14.73% का योगदान रहा है। यह औसत योगदान 23.21% है।

इस प्रकार लघु वृहद/मध्यम उद्योगों की स्थापना में सी.एस.आई.डी.सी. द्वारा औद्योगिक स्थिति में योगदान औसत के आधार पर (32.73 + 23.21/2) = 27.97 प्रतिशत माना जा सकता है जो प्रत्येक दृष्टि से उचित प्रतीत होता है।

निष्कर्ष –

छत्तीसगढ़ राज्य औद्योगिक विकास निगम (सी.एस.आई.डी.सी.) (छत्तीसगढ़ राज्य की एक संस्था) द्वारा किया गया 27.97% योगदान राज्य के औद्योगिक स्थिति में महत्वपूर्ण भूमिका का परिचायक है।

संदर्भ सूची –

1. छत्तीसगढ़ सांख्यकीय संक्षेप 2005, आर्थिक एवं सांख्यकीय संचालनालय रायपुर छ.ग.
2. छत्तीसगढ़ वार्षिक प्रषासकीय प्रतिवेदन 2008–09, वाणिज्य उद्योग विभाग रायपुर
3. वार्षिक प्रषासकीय प्रतिवेदन 2008–09, सी.एस.आई.डी.सी. लि. रायपुर
4. वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन, औद्योगिक विकास केन्द्र बोरई जिला दुर्ग
5. उद्यमिता, छत्तीसगढ़ विषेषांक सितम्बर 2005
6. कार्यालय, आयुक्त उद्योग संचालनालय छत्तीसगढ़ शासन, रायपुर
7. कार्यालय, छत्तीसगढ़ औद्योगिक विकास निगम लिमिटेड, रायपुर छ.ग.

श्रीमती विजयश्री यादव
व्याख्याता पंचायत, शास.उ.मा.विद्यालय, घुटकू जिला बिलासपुर (छ.ग.)